भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2643

जिसका उत्तर सोमवार, 28 जुलाई, 2014 को दिया जाना है

हेवी इंजीनियरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड

2643. श्री विजय कुमार हांसदाक:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या हेवी इंजीनियरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड (एचईसीएल) खनन और इंजीनियरिंग कार्यकलापों के क्षेत्र में विभिन्न विदेशी कंपनियों के साथ गठबंधन पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस प्रकार के सहयोग से एचईसीएल को किस प्रकार से लाभ होने की संभावना है;

(ग) क्या गत कुछ वर्षों से एचईसीएल को घाटा हो रहा है और गैर-कोर परिसंपत्तियों जैसे भूमि परिसमापन आदि का निपटारा किया है; और

(घ) यदि हां, तो इस प्रकार की परिसंपत्तियों की बिक्री से कितनी राशि जुटाई गई और एचईसीएल के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए इस प्रकार की निधि का किस प्रकार उपयोग किया जाएगा?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री

(श्री पोन्. राधाकृष्णन)

(क) और (ख): एचईसीएल परियोजनाओं के लिए बोली लगाते समय विदेशी कंपनियों सहित विभिन्न कंपनियों के साथ गठबंधन करती है। ये कंपनियां ऐसी परियोजनाओं में प्रौद्योगिकी प्रदाता, सिविल संविदाकार आदि के तौर पर कार्य करती हैं। ऐसी कई परियोजनाएं हेवी इंजीनियरी क्षेत्र में सफलतापूर्वक कार्यान्वित की गई हैं।

(ग) और (घ): जी, नहीं।

सरकार द्वारा एचईसी के लिए वर्ष 2005 में अनुमोदित पुनरूद्धार पैकेज में, एचईसी को अनुमोदन, अन्य के साथ-साथ, झारखंड सरकार द्वारा ₹275.51 करोड़ के भुगतान के एवज में 2342 एकड़ भूमि और 17 भवन तथा 1155 आवासीय क्वार्टर और उसके साथ संबद्ध भूमि झारखंड सरकार को अंतरित करने संबंधी झारखंड सरकार के प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए दिया गया था।

अनुमोदन के अनुसरण में, एचईसी ने 17 गैर-आवासीय भवन और उसके साथ संबद्ध 85.11 एकड़ भूमि, 1148 आवासीय क्वार्टर्स तथा 1902 एकड़ खाली जमीन झारखंड सरकार को सौंप दी है। झारखंड सरकार ने ₹275.51 करोड़ में से एचईसी को अब तक ₹164.21 करोड़ (मार्च 2009 में ₹91.41 करोड़ और 31.03.2010 को ₹72.80 करोड़) जारी किए हैं।

इसके अलावा, कंपनी ने 2006-07 और 2007-08 की अवधि के दौरान आवासीय कर्मचारियों/पूर्व-कर्मचारियों को क्वार्टर्स दीर्घ-आवधिक लीज पर देकर ₹85.44 करोड़ तथा झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन को भूमि लीज पर देकर ₹15.86 करोड़ सृजित किए हैं।

एचईसी द्वारा इस राशि का उपयोग देयताओं के परिसमापन, कार्यशील पूंजी और पूंजीगत व्यय को पूरा करने के लिए किया गया है।

*****